



1075CH09

अव्ययानि

1. अधोलिखितानि वाक्यानि पठत —

- दुर्वहम् अत्र जीवितम्।
 - प्रकृतिः एव शरणम्।
 - सः सदा सत्यं वदति।
 - यानानां पड्कतयो हि अनन्ताः।
 - वायुयानं भृशं दूषितम्।
 - जलं निर्मलं नु अस्ति।
 - एतत् खलु राजासनम् अस्ति।
 - अलम् अतिशालीनतया।
 - ननु भगवान् वाल्मीकिः अयम्।
- उपरि यानि रेखाङ्कितानि पदानि सन्ति तानि सर्वाणि अव्ययपदानि सन्ति।
अव्ययपदानि लिङ्गवचनविभक्तिषु न परिवर्तन्ते। तद्यथा —

(क) i. बालः अपि धावति ii. बालिका अपि धावति।

अत्र लिङ्गकारणात् अपि परिवर्तनं न भवति।

(ख) i. यदा सः आगच्छति तदा ते गच्छन्ति। ii. यदा ते आगच्छन्ति तदा वयं गच्छामः।

अत्र वचनकारणात् अपि ‘यदा-तदा’ अव्यययोः परिवर्तनं न भवति।

(ग) i. बालः उच्चैः वदति ii. पिता बालम् उच्चैः वदति।

अत्र विभक्तिकारणाद् अपि ‘उच्चैः’ इति अव्ययपदे परिवर्तनं न भवति।

अतः—

सदृशं त्रिषु लिङ्गेषु सर्वासु च विभक्तिषु।
वचनेषु च सर्वेषु यन्न व्येति तदव्ययम्॥

- अव्ययानि न परिवर्तन्ते।
- अव्ययानि त्रिषु लिङ्गेषु सदृशानि भवन्ति।
- अव्ययानि त्रिषु वचनेषु सदृशानि भवन्ति।
- अव्ययानि सर्वासु विभक्तिषु सदृशानि भवन्ति।

अव्ययपदानि

| कालवाचकानि | स्थानवाचकानि | युग्मानि | समानार्थकानि | विकीर्णानि |
|----------------------|-----------------|------------------|-------------------|-------------------|
| पुरा- प्राचीनकाल में | यत्र- जहाँ | यावत्-तावत् = | ननु | अपि-भी |
| सद्यः- तुरन्त | तत्र- वहाँ | जब तब | नूनम्] | वृथा-बेकार |
| सपदि- तुरन्त | उपरि- ऊपर | यत्र-तत्र= जहाँ | खलु] | अथ किम्- हाँ |
| अचिरात्- अभी | कुत्रि- कहाँ | वहाँ | | और क्या |
| अचिरेण- अभी | अत्र- यहाँ | शनैः-शनैः= धीरे- | सम्प्रति | च- और |
| सततम्- निरन्तर | सर्वत्र- सब जगह | धीरे | अधुना | अपरम्- और भी |
| अभितः- दोनों ओर | नीचैः- नीचे | यदा = जब | इदानीम् | सत्वरम्- शीघ्र |
| परितः- चारों ओर | | तदा = तब | साम्प्रतम् | अन्यथा- दूसरे |
| उभयतः- दोनों ओर | | कदा = कब | सदा | प्रकार से |
| सर्वतः- सब ओर | | यदि तर्हि= यदि | सर्वदा | सर्वथा- सब प्रकार |
| कदाचित्- कभी, | | तो | इत्थम्- इस प्रकार | से |
| किसी समय | | मुहुर्मुहुः= | से | एव- ही |
| अचिरम्- अभी | | बार-बार | एवम्- इस प्रकार | प्रति- और |
| एकदा- एक बार | | यथा-तथा= जैसा | | अलम्- बस, समर्थ |
| सकृत्- एक बार | | वैसा | | च- और |
| सहसा- अचानक | | यथापि तथापि= | | न- नहीं |
| सदा- हमेशा | | जैसे भी वैसे भी | | मा- मत |
| इत्स्ततः- इधर-उधर | | | | अतः- इसलिए |
| कुतः- कहाँ से | | | | इति- इस प्रकार |
| नक्तम्- रात | | | | उच्चैः- ऊंचे से |
| दिवा- दिन | | | | पुनः- फिर |
| अद्य- आज | | | | तृष्णीम्- चुपचाप |
| ह्यः- बीता हुआ कल | | | | तु- तो |
| श्वः- आने वाला कल | | | | परम्- परन्तु |
| वृथा- व्यर्थ | | | | कथम्- कैसे |
| समीपे- पास में | | | | अनृतम्- झूठ |
| दूर- दूर | | | | ततः- तत्पश्चात् |
| | | | | परस्परम्-आपस में |
| | | | | इव- के समान |

अभ्यासः

1. अधोलिखितानि वाक्यानि पठित्वा अव्ययपदानि चित्वा लिखत —

अव्ययपदानि

- | | |
|--|---------|
| (i) एकदा तस्य भार्या पितुर्गृहं प्रति चलिता। | — |
| (ii) भवान् कुतः भयात् पलायितः। | — |
| (iii) तत्र गम्यताम्। | — |
| (iv) त्वं सत्वरं चल। | — |
| (v) तेन सदृशं न अस्ति। | — |
| (vi) गीता सुगीता च वदतः। | — |
| (vii) यदा सः पठति तदा एव शोभते। | — |
| (viii) तापसौ लवकुशौ ततः प्रविशतः। | — |
| (ix) अलम् अतिदाक्षिण्येन। | — |
| (x) अहम् अपि श्रावयामि। | — |

2. उचिताव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयत —

मञ्जूषा

सर्वत्र, एव, इति, ननु, एवम्, तत्र, उच्चैः, तथापि, बहुधा, मा

- | | |
|--|-------------------|
| (i) मम गुरुः | भगवान् वाल्मीकिः। |
| (ii) कः | भणति? |
| (iii) कुपिता सा | वदति |
| (iv) त्वं | गच्छ। |
| (v) यूयं चापलं | कुरुत। |
| (vi) कृषीवलः बहुवारं प्रयत्नमकरोत् | वृषः नोत्थितः। |
| (vii) कृषकः बलीवर्द | पीडयति। |
| (viii) बहूनि अपत्यानि मे सन्ति | सत्यम्। |
| (ix) सर्वेषु अपत्येषु जननी तुल्यवत्सला | । |
| (x) | जलोपलवः सञ्जातः। |

3. विपर्ययाव्ययपदैः सह योजयत —

यत्र

यथा

यथैव

यदा

यदैव

यावत्

अत्र.....

यदि

4. उचितार्थैः सह मेलनं कुरुत —

- | | |
|-------------|----------------|
| (i) पुरा | नहीं/मत |
| (ii) उच्चैः | हमेशा |
| (iii) नूनम् | परंतु |
| (iv) इत्थम् | ही |
| (v) सर्वथा | इस प्रकार |
| (vi) एवम् | सब प्रकार से |
| (vii) एव | इस प्रकार से |
| (viii) परम् | निश्चय |
| (ix) सदा | ज्ञोर से |
| (x) मा | प्राचीनकाल में |

5. उचिताव्ययपदैः सह रिक्तस्थानानि पूर्यत —

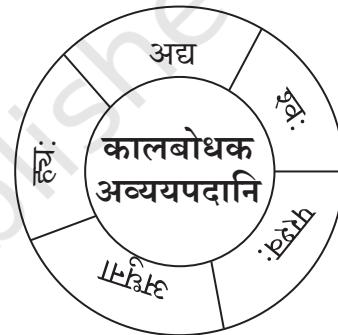
मञ्जूषा

| | | | | |
|----------|------------|------------|--------------|-------------|
| यथा-तथा, | यदि-तर्हि, | यथैव-तथैव, | यावत्-तावत्, | यत्र-तत्रा। |
|----------|------------|------------|--------------|-------------|

- (i) लवः कुशः।
- (ii) अहं कृष्णवर्णः त्वं किं गौराङ्गः!
- (iii) गुरुः वदति शिष्यः करोति।
- (iv) वृक्षाः खगाः।
- (v) लता आगच्छति त्वं तिष्ठ।

6. उदाहरणानुसारं लिखत —

- (i) श्वः सोमवासरः.....
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)



7. पर्यायाव्ययपदानि लिखत —

| | | | | | |
|--|-----|--|--|----------|--|
| | ननु | | | सम्प्रति | |
| | | | | | |